BACKGROUNDERS
Press Information Bureau
Government of India

एक खेल राष्ट्र का निर्माण

खेलों इंडिया और अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्टता की राह

03 अगस्त 2026

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा संशोधित खेलो इंडिया योजना की स्वीकृति भारत की खेल यात्रा में एक बड़े कदम का प्रतीक है। इसमें राष्ट्रीय खेल महासंघों के लिए बढ़ी हुई सहायता शामिल है, जिसके तहत वर्ष **2026-27 से 2030-31** की अवधि के लिए कुल **36,441 करोड़ रुपये** का बजट आवंटित किया गया है। प्रतिभा की मजबूत पहचान, व्यापक अवसरों और एथलीटों को निरंतर सहायता के माध्यम से, यह कार्यक्रम जमीनी स्तर की भागीदारी से लेकर वैश्विक मंच (पॉडियम) तक एक स्पष्ट मार्ग तैयार करने का प्रयास करता है। अन्य पहल के साथ मिलकर, यह प्रतिभाओं को तराशने और भविष्य के चैंपियनों को तैयार करने का काम कर रहा है।

खेल भावना से भरा भारत

खेल किसी राष्ट्र को बदलने, व्यक्तियों को तराशने और देशों को वैश्विक मंच पर एक नया मुकाम दिलाने की अपार शक्ति रखते हैं। यह नागरिकों में चरित्र और आत्मविश्वास का निर्माण करता है, साथ ही एक खेल महाशक्ति के रूप में राष्ट्र के आगमन का शंखनाद करता है। खेल के मैदान पर मिली जीत अपार राष्ट्रीय गर्व लाती है, जो जाति, पंथ और धर्म की सीमाओं से परे जाकर लोगों को एकजुट करती है। यह साझा गर्व एक अधिक खुशहाल, स्वस्थ और एकजुट समाज के निर्माण में मदद करता है।

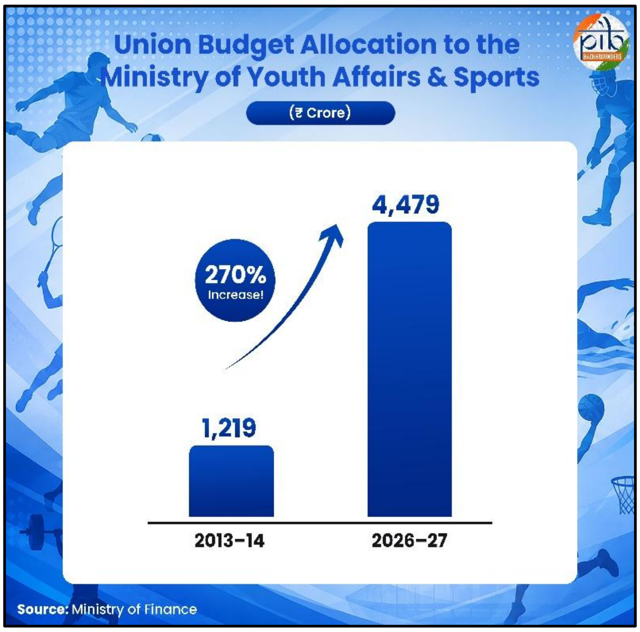

भारत की सबसे बड़ी खेल संपत्ति उसकी युवा आबादी है। देश की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। इस अपार क्षमता को पहचानते हुए, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय देश भर में युवा विकास को मजबूत करने और खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में लगातार जुटा हुआ है। केंद्रीय बजट

2026-27 में मंत्रालय को 4,479.88 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड आवंटन किया गया, जो 2013-14 में मात्र 1,219 करोड़ रुपये था।

इस बदलाव के केंद्र में खेलो इंडिया कार्यक्रम है, जो अब एक व्यापक विस्तारित चरण में प्रवेश कर चुका है। **केंद्रीय मंत्रिमंडल** ने इस विस्तारित योजना को मंजूरी दी है, जो इसके दृष्टिकोण को प्रतियोगिताओं और अवसंरचना से कहीं आगे ले जाती है।

स्कूल के मैदानों और गांव के खेतों से निकलकर, युवा एथलीटों के पास अब आगे बढ़ने का एक स्पष्ट रास्ता होगा। शुरुआती पहचान के बाद गुणवत्तापूर्ण कोचिंग, वैज्ञानिक सहायता और नियमित प्रतियोगिताओं का अवसर मिलेगा। मजबूत संस्थान और व्यापक साझेदारियां होनहार एथलीटों को अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्टता की ओर लगातार बढ़ने में मदद करेंगी। कई अन्य प्रमुख पहल के साथ, खेलो इंडिया ग्रामीण और शहरी भारत में जन-भागीदारी और खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है। ये प्रयास हर स्तर पर प्रतिभा की पहचान करने और उसे पोषित करने के लिए अवसंरचना, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी प्रतिभा को **भौगोलिक स्थिति**, सीमित संसाधनों या अवसरों की कमी के कारण पीछे न रहना पड़े।

यह दृष्टिकोण उस खेल बुनियाद पर निर्मित है जिसे भारत ने हाल के वर्षों में तैयार किया है। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत के चौथे स्थान पर रहने ने उस बढ़ती ताकत की एक और झलक पेश की। ऐसे क्षण केवल पदकों से कहीं अधिक बड़ी उपलब्धि को दर्शाते हैं।

खेलो इंडिया विजन

भारतीय खेलों के लिए एक मजबूत नींव तैयार करने के उद्देश्य से 2017 में शुरू की गई खेलो इंडिया योजना के तहत तीन मौजूदा कार्यक्रमों को एक साथ लाया गया था। इसने खेल विकास के लिए एक एकीकृत ढांचे के तहत 'राजीव गांधी खेल अभियान', 'शहरी खेल अवसंरचना योजना' और 'राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज योजना' का विलय कर दिया।

KHELO INDIA

यह योजना खेल ईकोसिस्टम के हर चरण को मजबूत करने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण का पालन करती है। इसके पांच मुख्य स्तंभ हैं:

- **प्रतिभाशाली एथलीटों की पहचान करना** और उन्हें पेशेवर उत्कृष्टता की ओर मार्गदर्शन करने के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करना।
- समर्पित विकास कार्यक्रमों के माध्यम से **कोच और सहायक कर्मचारियों की क्षमता का निर्माण** करना।
- एथलीटों के प्रदर्शन में सुधार के लिए **खेल विज्ञान और उन्नत तकनीक के उपयोग का विस्तार** करना।
- एक जीवंत खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और प्रतिस्पर्धी अवसर प्रदान करने के लिए **प्रतियोगिताओं और लीगों का आयोजन** करना।
- प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धी आयोजनों दोनों का समर्थन करने के लिए **खेल अवसंरचना का विकास** करना।

यह मिशन राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की योजनाओं के माध्यम से हर जिले में एक खेलो इंडिया प्रशिक्षण केंद्र की परिकल्पना करता है। यह खेल विज्ञान, मनोविज्ञान और पोषण द्वारा समर्थित संरचित एथलीट मार्गों को भी बढ़ावा देता है। डेटा-संचालित प्लेटफॉर्म एथलीटों की रियल-टाइम ट्रैकिंग को सक्षम बनाते हैं। इस एकीकृत दृष्टिकोण का उद्देश्य 2036 तक भारत को दुनिया के अग्रणी खेल राष्ट्रों में स्थापित करना है।

खेलो इंडिया में बढ़ता निवेश

- **2017–18 से 2019–20:** योजना को नया रूप देने के लिए तीन वर्षों के लिए 1,756 करोड़ रुपये स्वीकृत।
- **2020–21:** एक वर्ष के लिए 328.77 करोड़ रुपये का आवंटन।
- **2021–22 से 2025–26:** गतिविधियों के विस्तार और खेल बुनियादी ढांचे (स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर) को मजबूत करने के लिए पांच वर्षों के लिए वित्तीय व्यय बढ़ाकर 3,790.50 करोड़ रुपये किया गया।
- **2026–27:** 924.35 करोड़ रुपये का आवंटन, जो निरंतर समर्थन को सुदृढ़ करता है क्योंकि योजना परिणाम-उन्मुख (outcome-oriented) कार्यान्वयन के एक नए चरण में प्रवेश कर रही है।

खेलो इंडिया योजना की प्रमुख उपलब्धियां (जुलाई 2026 तक):

- **3,176 करोड़** रुपये के कुल निवेश के साथ **349 नई खेल अवसंरचना परियोजनाओं को मंजूरी।**

- बुनियादी स्तर (Grassroots) पर प्रशिक्षण और एथलीट सहायता को मजबूत करने के लिए **1,067 खेलो इंडिया केंद्र (KICs) स्थापित।**
- विभिन्न खेल स्पर्धाओं में खेल प्रतिभाओं को तराशने के लिए **267 अकादमियों को सहायता।**
- **2,745 खेलो इंडिया एथलीटों (KIAs) को सहायता**, जिसमें कोचिंग, उपकरण, चिकित्सा देखभाल और एक मासिक जेब खर्च (Out of pocket allowance) शामिल है।

निरंतर निवेश और एक स्पष्ट दीर्घकालिक विजन के माध्यम से, खेलो इंडिया भारत के लिए नए चैंपियनों की एक मजबूत पीढ़ी तैयार कर रहा है।

संशोधित खेलो इंडिया योजना: ज़मीनी स्तर से वैश्विक उत्कृष्टता तक का मार्ग[1]

खेलो इंडिया योजना ने **2026–27 से 2030–31** की अवधि के लिए एक बड़े विस्तारित चरण में प्रवेश किया है। राष्ट्रीय खेल महासंघों को दी जाने वाली बढ़ी हुई सहायता के साथ, इसका कुल संयुक्त परिव्यय **36,441 करोड़ रुपये** है।

एथलीट विकास का एक व्यापक मार्ग

पहली बार, युवा खिलाड़ियों को हर चरण में संरचित सहायता मिलेगी- प्रतिभा की पहचान और वैज्ञानिक प्रशिक्षण से लेकर अंतरराष्ट्रीय अनुभव और ओलंपिक की तैयारी तक। देशव्यापी ईकोसिस्टम निम्नलिखित को एक साथ लाएगा:

- राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र
- खेलो इंडिया उत्कृष्टता केंद्र
- साई प्रशिक्षण केंद्र
- खेलो इंडिया मान्यता प्राप्त अकादमियां
- खेलो इंडिया केंद्र
- सशस्त्र बलों की यूथ स्पोर्ट्स कंपनियां

ये संस्थान मिलकर देशभर में आधुनिक अवसंरचना, पेशेवर कोचिंग और खेल विज्ञान (स्पोर्ट्स साइंस) सहायता प्रदान करेंगे।

योजना के तहत **खेलो इंडिया फीडर स्कूल** और **खेलो इंडिया उत्कृष्ट विद्यालय** की भी शुरुआत की गई है। ये पहल खेलों को मुख्यधारा की शिक्षा के साथ एकीकृत करेंगी और प्रतिभाशाली बच्चों की शुरुआती पहचान और व्यवस्थित विकास को सक्षम बनाएंगी।

भारत के एथलीट पूल का विस्तार

नया 'इमर्जिंग खेलो इंडिया एथलीट्स' वर्ग संरचित एथलीटों की संख्या को लगभग दस गुना बढ़ा देगा। प्रतिभा पहचान की एक मजबूत प्रणाली और जमीनी स्तर की प्रतियोगिताओं से खेलो इंडिया और टॉप्स (TOPS) तक का एक स्पष्ट मार्ग एथलीटों को शुरुआती पहचान से लेकर अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्टता तक सहायता प्रदान करेगा।

अधिक प्रतियोगिताएं और व्यापक अवसर

स्कूली, विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय और खेल-विशेष लीग नियमित रूप से प्रतिस्पर्धी माहौल प्रदान करेंगी। महिलाओं, पैरा-एथलीटों और पारंपरिक/देशी खेलों के लिए अधिक अवसर पैदा किए जाएंगे, साथ ही राष्ट्रीय खेलों और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए सहायता दी जाएगी।

फिटनेस, कोचिंग और टेक्नोलॉजी

विस्तारित फिट इंडिया अभियान सक्रिय जीवन शैली और व्यापक भागीदारी को बढ़ावा देगा। एक 'राष्ट्रीय कोच मान्यता बोर्ड' कोचिंग के मानकों को मजबूत करेगा, जबकि एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म एथलीट डेटा, अवसंरचना, प्रतियोगिताओं, मूल्यांकन और फंडिंग को एक साथ जोड़ेगा।

खेल उत्कृष्टता के लिए साझेदारी

निजी अकादमियों और कॉर्पोरेट संस्थानों के साथ साझेदारी से खेल विकास में निवेश और विशेषज्ञता आएगी। राष्ट्रीय खेल महासंघों को बढ़ी हुई सहायता से कोचिंग, खेल विज्ञान, उपकरण, प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन को मजबूती मिलेगी।

भारत की वैश्विक खेल महत्वाकांक्षाओं को बढ़ावा

खेलो भारत नीति 2025 और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप, यह योजना खेलों को शिक्षा, फिटनेस, तकनीक और उच्च-प्रदर्शन प्रशिक्षण के साथ जोड़ती है। यह 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों, भारत के ओलंपिक और पैरालंपिक की मेजबानी की महत्वाकांक्षाओं और विकसित भारत@2047 के दृष्टिकोण का समर्थन करेगी।

खेलो इंडिया गेम्स: भविष्य के चैंपियनों का मंच

खेलो इंडिया आंदोलन ने 2018 में 'खेलो इंडिया स्कूल गेम्स' के शुभारंभ के साथ एक नए चरण में प्रवेश किया। नई दिल्ली में आयोजित इस कार्यक्रम से देशभर की युवा खेल प्रतिभाओं को एक मंच पर लाया गया।

इसी वर्ष के अंत में, भारतीय ओलंपिक संघ भी इस पहल में शामिल हो गया। **2019** से, इस आयोजन का नाम बदलकर **'खेलो इंडिया यूथ गेम्स' (KIYG)** कर दिया गया। यह खेलो इंडिया के तहत प्रमुख प्रतियोगिता के रूप में अपना योगदान दे रहा है।

खेलो इंडिया गेम्स ने विभिन्न खेलों में एथलीटों के लिए अधिक अवसर पैदा करने हेतु अपना लगातार विस्तार किया है। अब वार्षिक प्रतियोगिताएं राज्यों और विश्वविद्यालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिभागियों को एक साथ लाती हैं, जिससे उन्हें प्रतिस्पर्धा करने, उत्कृष्टता प्राप्त करने और उच्च स्तर के लिए तैयार होने में मदद मिलती है। **2018 से, 63,000 से अधिक एथलीटों ने खेलो इंडिया गेम्स में भाग लिया है।**

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (KIUG) और **खेलो इंडिया विंटर गेम्स** (KIWG) की शुरुआत 2020 में की गई थी। इसके बाद 2023 में **खेलो इंडिया पैरा गेम्स** (KIPG) शुरू हुए। यह विस्तार 2025 में **खेलो इंडिया बीच गेम्स** (KIBG) और **खेलो इंडिया वॉटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल** के शुभारंभ के साथ जारी रहा। **खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स** (KITG) की शुरुआत 2026 में हुई।

खेलो इंडिया गेम्स युवा एथलीटों को उत्कृष्टता हासिल करने के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करके भारत की खेल संस्कृति को लगातार मजबूत कर रहे हैं।

भारत की खेल सफलता को सक्षम बनाना

खेलों में भारत का उभार केवल अवसंरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) और प्रतियोगिताओं तक सीमित नहीं है। कई लक्षित पहल एथलीटों के विकास को मजबूत करती हैं, उभरती हुई प्रतिभाओं की पहचान करती हैं और दीर्घकालिक खेल क्षमता का निर्माण करती हैं। सामूहिक रूप से, ये प्रयास जमीनी स्तर की भागीदारी से लेकर वैश्विक सफलता तक एक मजबूत मार्ग तैयार कर रहे हैं।

टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (TOPS)

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों में भारत के प्रदर्शन में सुधार के लिए सितंबर 2014 में **टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (TOPS)** की शुरुआत की। एथलीटों को समग्र सहायता प्रदान करने के लिए एक समर्पित तकनीकी सहायता टीम के साथ अप्रैल 2018 में इस योजना को पुनर्गठित किया गया था।

TOPS विदेशी प्रशिक्षण, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं, कोचिंग शिविरों, विशेष उपकरणों और 50,000 रुपये के मासिक वजीफे (स्टाइपेंड) के माध्यम से एथलीटों की सहायता करता है। जूनियर एथलीटों को 25,000 रुपये के मासिक वजीफे के साथ सहयोग करने के लिए एक 'डेवलपमेंट ग्रुप' भी शुरू किया गया था।

अप्रैल 2026 तक, यह योजना वर्तमान में **51 कोर एथलीटों, 52 पैरा कोर एथलीटों और 130 डेवलपमेंट एथलीटों** को सहायता प्रदान कर रही है। TOPS ने टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में भारत के पदक जीतने वाले प्रदर्शनों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कीर्ति (KIRTI)

खेलो इंडिया राइजिंग टैलेंट आइडेंटिफिकेशन (KIRTI) पहल 9 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों के बीच खेल प्रतिभाओं की पहचान करती है और उन्हें निखारती है। यह पारदर्शी और योग्यता-आधारित चयन सुनिश्चित करने के लिए टैलेंट असेसमेंट सेंटर, मानकीकृत मूल्यांकन प्रोटोकॉल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) तथा डेटा एनालिटिक्स सहित उन्नत आईटी उपकरणों का उपयोग करता है।

वर्तमान में, 3 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में **174 टैलेंट असेसमेंट सेंटर** काम कर रहे हैं, जिनके तहत **1,87,921 मूल्यांकन** पूरे हो चुके हैं। कीर्ति (KIRTI) का लक्ष्य भारत को 2036 तक शीर्ष 10 और 2047 तक शीर्ष 5 खेल राष्ट्रों में शामिल होने में मदद करने के लिए एक टिकाऊ प्रतिभा पाइपलाइन तैयार करना है।

खेल सामग्री निर्माण

केंद्रीय बजट 2026-27 में **500 करोड़ रुपये** के आवंटन के साथ खेल सामग्री निर्माण के लिए एक समर्पित पहल की घोषणा की गई। इस पहल का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता और किफायती खेल सामग्री के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करना है।

इसके प्रमुख उद्देश्यों में घरेलू निर्माण क्षमता का विस्तार करना, उपकरण डिजाइन में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना, सामग्री विज्ञान (मटीरियल साइंसेज) को आगे बढ़ाना, वैश्विक खेल आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारत की उपस्थिति को मजबूत करना और विनिर्माण एवं संबद्ध क्षेत्रों में रोजगार पैदा करना शामिल है।

ये पहल भारत के खेल इकोसिस्टम को मजबूत कर रही हैं और एथलीटों को वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार कर रही हैं।

वैश्विक खेल मंच पर भारत का उभार

भारत के खेल इकोसिस्टम में किए गए निवेश वैश्विक मंच पर परिणाम दे रहे हैं। प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में भारत का प्रदर्शन ओलंपिक, पैरालंपिक और बहु-खेल स्पर्धाओं में देश की बढ़ती ताकत को दर्शाता है। एथलीटों के बेहतर विकास, बेहतर प्रशिक्षण सहायता और निरंतर निवेश ने विश्व स्तर पर निरंतर सुधार का रूप लिया है। भागीदारी और पदक तालिकाओं में निरंतर वृद्धि एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धी खेल राष्ट्र के रूप में भारत के उभार को रेखांकित करती है।

ओलंपिक खेल

2016 और 2024 के बीच भारत की ओलंपिक यात्रा में एक उल्लेखनीय बदलाव देखा गया। देश रियो 2016 के दो पदकों से बढ़कर टोक्यो 2020 में सात पदकों तक पहुंचा। भारत ने पेरिस 2024 में छह पदकों के साथ इस गति को बनाए रखा। नीरज चोपड़ा टोक्यो 2020 में भारत के पहले ओलंपिक एथलेटिक्स स्वर्ण पदक विजेता बने। मीराबाई चानू भी भारत की सबसे सुसंगत (कंसिस्टेंट) ओलंपिक पदक विजेताओं में से एक बनकर उभरीं।

वर्ष	मेजबान शहर	भारतीय एथलीट	जीते गए मैडल
2016	रियो डि जेनिरो	117	2
2020	टोक्यो	119	7
2024	पेरिस	117	6

पैरालंपिक खेल

भारत के पैरालंपिक प्रदर्शन ने पिछले तीन संस्करणों में असाधारण वृद्धि देखी है। पदक तालिका रियो 2016 के चार से बढ़कर टोक्यो 2020 में 19 हो गई। पेरिस 2024 में 29 पदकों के साथ भारत का अब तक का सबसे बेहतरीन पैरालंपिक अभियान रहा। अवनी **लेखरा**, सुमित अंतिल और प्रमोद भगत देश के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों में शामिल रहे हैं। TOPS और खेलो इंडिया पैरागेम्स जैसे कार्यक्रमों ने पैरा-एथलीटों के लिए सहायता को मजबूत किया है।

वर्ष	मेजबान शहर	भारतीय एथलीट	जीते गए मैडल	स्वर्ण	रजत	कांस्य
2016	रियो डि जेनिरो	19	**4**	2	1	1
2020	टोक्यो	54	**19**	5	8	6
2024	पेरिस	84	**29**	7	9	13

एशियाई खेल

भारत ने बड़े दलों (दल/कंटिनजेंट) और मजबूत पदक जीतने वाले प्रदर्शनों के माध्यम से एशियाई खेलों में लगातार अपने प्रदर्शन का स्तर उठाया है। देश ने इंचियोन 2014 में 57 पदक जीते और जकार्ता 2018 में सुधार करते हुए 69 पदक हासिल किए। होंगझोउ 2023 एक ऐतिहासिक संस्करण बन गया क्योंकि भारत ने 107 की अपनी अब तक की सबसे अधिक पदक संख्या दर्ज की। नीरज चोपड़ा, लवलीना बोरगोहेन, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी प्रमुख योगदानकर्ताओं में शामिल थे।

वर्ष	मेजबान शहर	भारतीय एथलीट	जीते गए मैडल	स्वर्ण	रजत	कांस्य
2014	इंचियोन	541	**57**	11	9	37
2018	जकार्ता	570	**69**	15	24	30
2023	होंगझोउ	655	**107**	28	38	41

राष्ट्रमंडल खेल

भारत राष्ट्रमंडल खेलों में सबसे मजबूत प्रदर्शन करने वालों में से एक बना हुआ है। देश ने ग्लासगो 2014 में 64 पदक जीते और गोल्ड कोस्ट 2018 में सुधार करते हुए 66 पदक हासिल किए। भारत ने इसके बाद बर्मिंघम 2022 में 61 पदक जीते। कुश्ती, वेटलिफ्टिंग, टेबल टेनिस, बैडमिंटन और एथलेटिक्स ने लगातार भारत की सफलता में योगदान दिया है। पीवी सिंधु, विनेश फोगट और अचिंत शिउली देश के उल्लेखनीय खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं।

वर्ष	मेजबान शहर	भारतीय एथलीट	जीते गए मैडल	स्वर्ण	रजत	कांस्य
2014	ग्लासगो	215	**64**	15	30	19
2018	गोल्ड कोस्ट	218	**66**	26	20	20
2022	बर्मिंघम	210	**61**	22	16	23

वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती सफलता उसके खेल इकोसिस्टम की ताकत और विश्व मंच पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए उसके एथलीटों के दृढ़ संकल्प को दर्शाती है।

राष्ट्रमंडल खेल 2026

राष्ट्रमंडल खेल 2026 का आयोजन 23 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक ग्लासगो में किया गया था।इन खेलों में 4 स्थानों पर 10 खेलों के कार्यक्रम (जिसमें छह पूरी तरह से एकीकृत पैरा स्पोर्ट्स शामिल हैं) में 74 देशों के एथलीटों ने भाग लिया। भारत ने 39 पदकों- 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य के साथ चौथा स्थान हासिल करते हुए शानदार प्रदर्शन किया।

भारत का प्रतिनिधित्व **124 सदस्यीय दल** द्वारा किया जा रहा है, जिसमें **78** पुरुष और **46** महिला एथलीट शामिल हैं। यह दल कई खेल विधाओं में देश की बढ़ती प्रतिभा की गहराई को दर्शाता है।

झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में कांस्य पदक जीतकर भारत का पदक खाता खोला। **ऋषिकांता सिंह** पुरुषों के **60** किग्रा वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में रजत पदक जीतने के बाद पदक जीतने वाले पहले सक्षम (एबल-बॉडी) भारतीय बने। उन्होंने स्नैच में एक नया राष्ट्रमंडल खेल रिकॉर्ड भी बनाया।

मीराबाई चानू ने ग्लासगो में भारत का पहला स्वर्ण पदक जीतकर एक और ऐतिहासिक क्षण प्रदान किया। इस जीत ने उनके लगातार तीसरे राष्ट्रमंडल खेल खिताब को दर्ज किया। **मुथुपंडी राजा** ने पुरुषों की **65** किग्रा वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में रजत जीतकर भारत की पदक तालिका में इजाफा किया।

मुक्केबाजी (बॉक्सिंग) भारत के अभियान का मुख्य आकर्षण रही। **भारतीय मुक्केबाजों ने 10 पदक जीते**, जिसमें अभूतपूर्व 7 स्वर्ण पदक शामिल हैं- जो किसी भी देश द्वारा एकल राष्ट्रमंडल खेलों में मुक्केबाजी में किया गया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। **साक्षी चौधरी** स्वर्ण पदक विजेताओं में शामिल थीं, जबकि ओलंपिक पदक विजेता **लवलीना बोरगोहेन** ने रजत पदक[2] हासिल किया।

ग्लासगो भारत के कई 'पहली बार' बने रिकॉर्ड का गवाह भी बना। **अस्मिता डे** जूडो में देश की पहली राष्ट्रमंडल खेल स्वर्ण पदक विजेता बनीं, जिसके बाद **हर्ष टोकस** ने इसी खेल में एक और स्वर्ण जोड़ा। **गुलवीर सिंह** एक ही संस्करण में दो व्यक्तिगत पदक जीतने वाले पहले भारतीय ट्रैक एंड फील्ड एथलीट बने। **तेजस्विन शंकर** ने भारत के लिए पहला डिकेथलॉन पदक हासिल किया। पुरुषों की भाला फेंक (जैवलिन थ्रो) में **नीरज चोपड़ा** के रजत पदक ने एक ऐसे अभियान में एक और यादगार पल जोड़ दिया, जो खेलों[3] में भारत की बढ़ती ताकत को दर्शाता है।

खेलो इंडिया से ग्लासगो की चमक तक

अरुंधति की स्वर्णिम यात्रा: खेलो इंडिया से ग्लासगो तक

गणित के प्रति रुचि रखने वाली एक प्रतिभाशाली छात्रा, **अरुंधति चौधरी** ने एक पारंपरिक करियर[4] के बजाय बॉक्सिंग रिंग को चुना। खेलो इंडिया गेम्स ने कोटा की इस युवा मुक्केबाज को उनके सफर के एक निर्णायक मोड़ पर राष्ट्रीय मंच दिया। उन्होंने लगातार तीन स्वर्ण पदक- दिल्ली 2018, पुणे 2019 और गुवाहाटी 2020[5] जीतकर इस अवसर का पूरा लाभ उठाया।

ग्लासगो 2026 में, अरुंधति ने महिलाओं के 70 किलोग्राम मुक्केबाजी का खिताब[6] जीतकर एक और स्वर्णिम अध्याय पूरा किया। उनकी यात्रा दर्शाती है कि कैसे शुरुआती अवसर उभरती हुई प्रतिभा को राष्ट्रमंडल चैंपियन में बदल सकते हैं।

अस्मिता डे: खेलो इंडिया से जूडो इतिहास तक

अस्मिता डे का सफर अंतरराष्ट्रीय खेल परिसरों से बहुत दूर, त्रिपुरा के बेलोनिया से शुरू हुआ था। उनके पिता एक साइकिल मैकेनिक थे। अस्मिता ने जूडो के जरिए खामोशी से अपना सपना बुना।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स ने उस सपने को एक राष्ट्रीय मंच प्रदान किया। लगातार कई स्वर्ण पदकों ने उनके विश्वास को मजबूत किया और भारतीय जूडो में उनके आगमन का ऐलान किया।

वही विश्वास 2026 में उनके साथ ग्लासगो तक गया। एक तनावपूर्ण फाइनल मैच में, उन्होंने अपना धैर्य बनाए रखा और कनाडा की हेइडी क्वाच को हराया। इस जीत ने उन्हें भारत की पहली राष्ट्रमंडल खेल जूडो चैंपियन बना दिया।

खेल उत्कृष्टता का लक्ष्य

भारत की खेल यात्रा लगातार गति पकड़ रही है। निरंतर निवेश, मजबूत सहायता प्रणालियां और लक्षित एथलीट विकास सफलता के लिए एक स्थायी नींव का निर्माण कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बढ़ती भागीदारी और बेहतर प्रदर्शन इन प्रयासों के प्रभाव को दर्शाते हैं। राष्ट्रमंडल खेल 2026 अभी भी जारी होने के साथ, भारतीय एथलीट दृढ़ संकल्प और गौरव के साथ प्रतिस्पर्धा जारी रखे हुए हैं। हर प्रदर्शन अगली पीढ़ी को बड़े सपने देखने और उच्च लक्ष्य तय करने के लिए प्रेरित करता है। जैसे-जैसे भारत भविष्य की ओर देख रहा है, देश चैंपियन बनाने और दुनिया के अग्रणी खेल राष्ट्रों के बीच अपना स्थान मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

संदर्भ:

पीआईबी बैकग्राउंडर

- https://www.pib.gov.in/PressNoteDetails.aspx?ModuleId=3&NoteId=154601&reg=48&lang=2
- https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2229477&reg=48&lang=2

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

- https://static.pib.gov.in/WriteReadData/userfiles/KI.pdf
- https://kheloindia.gov.in/
- https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2221706&reg=48&lang=2
- https://www.indiabudget.gov.in/budget2013-2014/ub2013-14/eb/sbe106.pdf
- https://olympic.ind.in/cwg-2026/#cwg-medals
- https://www.pib.gov.in/Pressreleaseshare.aspx?PRID=1592781&reg=48&lang=2
- https://x.com/PIB_India/status/2048993008696414675?s=20
- https://sportsauthorityofindia.nic.in/sai_new/target-olympic-podium
- https://sansad.in/getFile/lsapps/loksabhaquestions/annex/187/AS331_utQbIj.pdf?source=lsapps
- https://x.com/PIB_India/status/2047540496512528629?s=20

वस्त्र मंत्रालय

- https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2282076&reg=6&lang=1

कॉमनवेल्थ स्पोर्ट:

- https://www.commonwealthsport.com/commonwealth-games/glasgow-2026

ओलंपिक खेल:

- https://www.olympics.com/en/news/commonwealth-games-2026-india-medals-tally-winners-table-cwg

- https://www.olympics.com/en/news/arundhati-choudhary-the-maths-whizz-who-chose-boxing-over-career-in-it
- https://www.olympics.com/en/news/who-is-asmita-dey-india-judoka-medals-records

अन्य

- https://boxingfederation.in/arundhati-choudhary-69kg/
- https://www.pmindia.gov.in/en/news_updates/pm-congratulates-arundhati-choudhary-on-winning-gold-in-womens-70-kg-boxing/

पीआईबी रिसर्च

पीके/केसी/जेएस